



Var

Vadhu

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119256901

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
19/12/1994 :	जन्म तिथि	: 03/10/1994
सोमवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 23:45:00 :	जन्म समय	: 20:45:00 घंटे
घटी 41:30:50 :	जन्म समय(घटी)	: 36:14:53 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Meerut
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 29:00:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:08:39 :	सूर्योदय	: 06:13:13
17:27:37 :	सूर्यास्त	: 18:03:05
23:47:24 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:47:14
सिंह :	लग्न	: वृष
सूर्य :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
मिथुन :	राशि	: सिंह
बुध :	राशि-स्वामी	: सूर्य
पुनर्वसु :	नक्षत्र	: पू०फाल्गुनी
गुरु :	नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
1 :	चरण	: 4
ब्रह्म :	योग	: शुक्ल
गर :	करण	: विष्टि
के-केवल :	जन्म नामाक्षर	: टू-टुनटुन
धनु :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: तुला
शूद्र :	वर्ण	: क्षत्रिय
मानव :	वश्य	: वनचर
मार्जार :	योनि	: मूषक
देव :	गण	: मनुष्य
आद्य :	नाड़ी	: मध्य
मार्जार :	वर्ग	: श्वान



ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
गुरु 13वर्ष 2मा 10दि
शनि

29/02/2008

01/03/2027

शनि	04/03/2011
बुध	11/11/2013
केतु	21/12/2014
शुक्र	20/02/2018
सूर्य	02/02/2019
चन्द्र	02/09/2020
मंगल	12/10/2021
राहु	18/08/2024
गुरु	01/03/2027

अंश

26:35:45
03:49:45
22:20:11
07:40:07
06:59:29
08:25:05
19:49:35
13:16:54
20:13:57
20:13:57
00:59:51
28:20:01
05:18:43

राशि

सिंह
धनु
मिथु
सिंह
धनु
वृश्चि
तुला
कुंभ
तुला व
मेष व
मक
धनु
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि व
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

वृष
कन्या
सिंह
कर्क
तुला
तुला
तुला
कुंभ
तुला
मेष
धनु
धनु
वृश्चि

अंश

08:54:34
16:23:42
25:28:36
05:37:59
11:00:20
21:48:05
22:31:46
12:59:58
21:26:26
21:26:26
28:36:07
26:47:13
02:25:47

विंशोत्तरी
शुक्र 1वर्ष 9मा 12दि
राहु

17/07/2019

17/07/2037

राहु	29/03/2022
गुरु	22/08/2024
शनि	29/06/2027
बुध	15/01/2030
केतु	03/02/2031
शुक्र	03/02/2034
सूर्य	28/12/2034
चन्द्र	28/06/2036
मंगल	17/07/2037

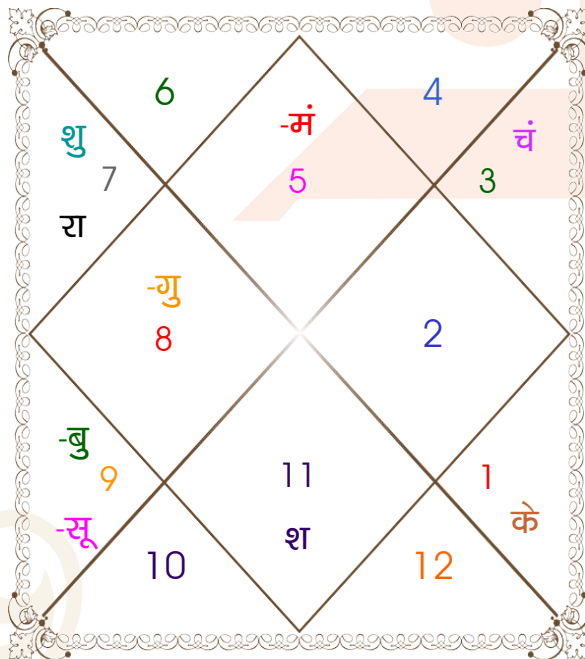
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

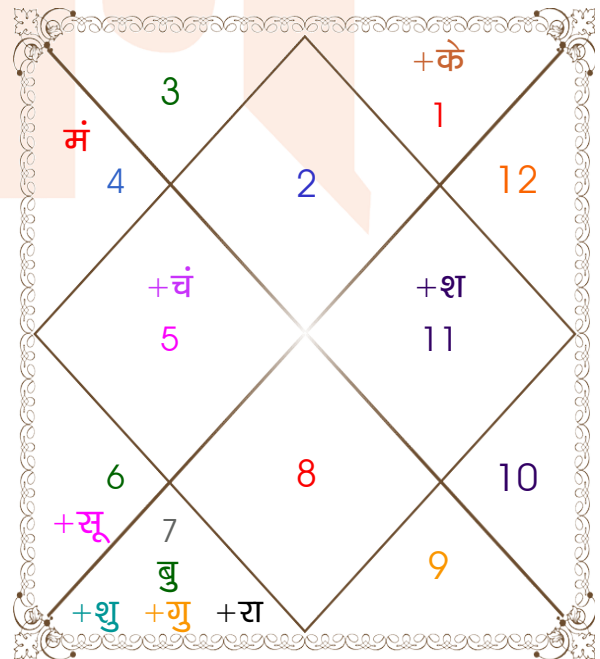
राहु : स्पष्ट

23:47:24 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:14

लग्न-चलित



लग्न-चलित



FUTUREPOINT

Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अष्टकूट गुण सारिणी

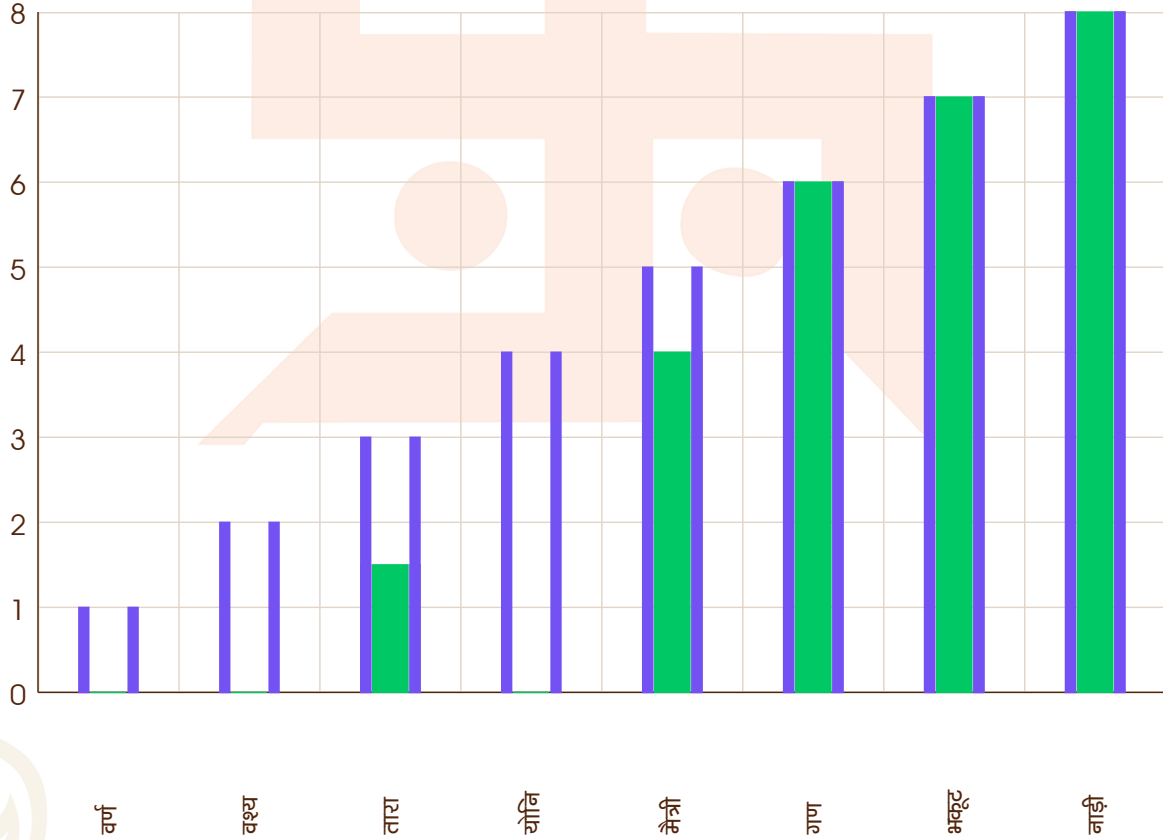
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मूषक	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	सूर्य	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

26.50

कुल : 26.5 / 36



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अष्टकूट मिलान

Var का वर्ग मार्जार है तथा Vadhu का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Var और Vadhu का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Var मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।
Vadhu मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Vadhu की कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Var तथा Vadhu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Var का वर्ण शूद्र है तथा Vadhu का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें Vadhu का वर्ण Var के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण Vadhu अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। Vadhu का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए Var को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

Var का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं Vadhu का वश्य वनचर अर्थात् सिंह (शेर) है अतः यह मिलान बहुत अशुभ मिलान है। शेर हमेशा मनुष्य के लिए संकट उपस्थित करता है। ये मनुष्य को हानि पहुंचाता है तथा घायल करते हैं व कभी-कभी मारकर खा भी जाते हैं। अतः यह मिलान उचित नहीं है क्योंकि Var हमेशा Vadhu से भय महसूस करेगा। Vadhu हमेशा Var पर हावी रहेगी, पति के ऊपर वर्चस्व स्थापित करेगी तथा अपने पति को अपनी हर आज्ञा के लिए बाध्य करेगी जो स्वीकार करने योग्य नहीं है क्योंकि इससे विकास एवं समृद्धि प्रभावित होगी। Vadhu हमेशा कोई न कोई समस्या उत्पन्न करती रहेगी जिससे घर एवं परिवार की शांति भंग होगी।

तारा

Var की तारा साधक तथा Vadhu की तारा प्रत्यरि है। Vadhu की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Var एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Vadhu का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य में अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Vadhu के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Var अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Var की योनि मार्जार है तथा Vadhu की योनि मूषक है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जा सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक

जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Var का राशि स्वामी Vadhu के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि Vadhu का राशि स्वामी Var के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Var का गण देव तथा Vadhu का गण मनुष्य है। अर्थात् दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Vadhu अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Var से Vadhu की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Vadhu से Var की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Var अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Vadhu सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Var की नाड़ी आद्य है तथा Vadhu की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के

तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Var की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है तथा Vadhu की अग्नि तत्व युक्त सिंह राशि है। नैसर्गिक रूप से वायु एवं अग्नि तत्व में समता तथा मित्रता रहती है। अतः Var और Vadhu में स्वभावगत समानता रहेगी तथा परस्पर संबंधों में भी मधुरता रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

Var की राशि का स्वामी बुध तथा Vadhu की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर सम तथा मित्र है अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति अच्छी रहेगी। इसके प्रभाव से इनकी मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर समानता रहेगी फलतः में एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा एवं कमियों की उपेक्षा का भाव रखेंगे। इससे इनके परस्पर संबंधों में मधुरता बढ़ेगी तथा सुख एवं शांति पूर्वक अपना वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे।

Var तथा Vadhu की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Var और Vadhu अर्थिक रूप से सुदृढ़ एवं सम्पन्न रहेंगे तथा विभिन्न प्रकार से धनार्जन की प्रवृत्ति इनमें विद्यमान रहेगी। उनके जीवन के मूल्यों में भी समानता का भाव रहेगा जिससे मानसिक स्थिति शांत एवं सन्तुष्ट रहेगी फलस्वरूप वैवाहिक सुख एवं अन्यत्र आनंद प्राप्त करने में Var और Vadhu को सफलता प्राप्त होगी।

Var का वश्य मानव तथा Vadhu का वश्य जलचर है। नैसर्गिक रूप से मानव एवं वश्य में शत्रुता तथा विषमता का भाव विद्यमान रहता है। अतः Var और Vadhu की अभिरुचियों में अंतर रहेगा। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर में भी विषमता रहेगी एवं दाम्पत्य सुख में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ से रहेंगे।

Var का वर्ण शूद्र तथा Vadhu का वर्ण क्षत्रिय है। Var की प्रवृत्ति किसी भी प्रकार के कार्यों को गम्भीरता तथा ईमानदारी से करने की होगी। जबकि Vadhu केवल पराकमी एवं साहसी कार्यों को करना अधिक पसंद करेंगी।

धन

Var और Vadhu की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Var और Vadhu की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Vadhu एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना

जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Var का आद्य तथा Vadhu की मध्य नाड़ी में जन्म हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं होगा लेकिन मंगल के दुष्प्रभाव से Vadhu को समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसके प्रभाव से साथ ही गुप्त रोग या अन्य रक्त अथवा पित्त संबंधी परेशानियां समय समय पर उत्पन्न होंगी। इसके अतिरिक्त मासिक धर्म की अनियमिता से भी वे कष्ट की प्राप्ति करेंगी। अतः इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए Vadhu को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Var और Vadhu का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Var और Vadhu के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Vadhu के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Vadhu को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Vadhu को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Var और Vadhu सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमत्ता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Var और Vadhu का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Vadhu के अपने सास से संबंध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही Vadhu सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृत्ति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबंधों में तनाव

रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि Vadhu किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबंधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी Vadhu को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण Vadhu के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Var तथा उनकी सास के संबंधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Var के संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से Var के संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण Var के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता बनी रहेगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

